



वॉल स्ट्रीट की छाया कंपनी

उद्यम और उसकी आत्मा

उद्यम पूँजी से जन्म नहीं लेता।

वह एक इरादे से जन्म लेता है।

कोई तय करता है कि कोई चीज़ होनी चाहिए, और वही इच्छा पहली सच्ची शेयरधारक है, इससे पहले कि कोई पैसे गिने।

वह चीज़, एक बार आकार ले ले, तो हमेशा उत्पाद कहलाती है — तब भी, जब उसे सेवा कहा जाता है।

उसके बाद जो कुछ आता है — ढाँचे, ओहदों की सीढ़ियाँ, बैलेंस शीट, ब्रांड — सब मचान है।

मचान घर नहीं है। घर तो मक़सद है।

और मक़सद अपना इंतज़ाम खुद नहीं करता। वह तभी तक ज़िंदा रहता है जब तक कोई उसे ढोता रहे, याद रखता रहे कि पहला फ़ैसला क्यों लिया गया था।

जिस पल वह इच्छा मिट जाती है, उद्यम चलता तो रहता है पर जानता नहीं किधर, बनाता तो रहता है पर जानता नहीं किसके लिए। वह कुशल हो जाता है, जीवित रहे बिना।

बहुत-से संगठनों का यही ख़ामोश संकट है: संसाधनों की कमी नहीं, स्मृति की कमी।

उत्पाद किसी ज़रूरत का जवाब नहीं रह जाता और उस ढाँचे का औचित्य बन जाता है जिसे बने रहने के लिए बस बेचते रहना है।

यह उसके लिए लिखा गया है जो किसी चीज़ के एक हिस्से का मालिक है पर उसका पूरा सार कभी नहीं देखता — शेयरधारक, बड़े और छोटे, जिन्हें एक संख्या मिलती है और उसके पीछे की कहानी शायद ही कभी।

छोटा शेयरधारक इस पूरी व्यवस्था का सबसे ख़ामोश अन्याय है।

वह कारोबार का पूरा जोखिम उठाता है — बात बिगड़े तो सब कुछ गँवा बैठता है — पर फ़ैसला करने की ताक़त का कोई असली हिस्सा उसे कभी नहीं दिया जाता।

दाँव में वह साझेदार है, पत्ते खेलने वाले हाथ में नहीं। कागज़ पर मालिक। असल में दर्शक।

इसमें से कुछ भी पूँजीवाद पर, उद्यम पर, खुद मुनाफ़े पर अभियोग नहीं है। यह स्मृति का आह्वान है।

ये औज़ार हैं, बेहद ताक़तवर, जो अपने मूल के प्रति वफ़ादार रहें तो असली मूल्य पैदा कर सकते हैं — और उसे भूल जाएँ तो अर्थ से ख़ाली भी हो सकते हैं।

कोई क़ानूनी सुधार, बैलेंस शीट का कोई नया सूचक, कोई नया नैतिक प्रमाणपत्र उस एकमात्र सच्ची हिफ़ाज़त की जगह कभी नहीं ले पाएगा: हर ढाँचे में कोई एक, जो पूछता रहे कि क्यों।

शेयरधारक के हाथ की हिस्सेदारी एक इंसानी इरादे का हिस्सा है, जिसे किसी ने, बहुत पहले, इतना चाहा कि उसे साकार कर दिया — हर लाभांश के पीछे किसी के लिए सोचा गया एक उत्पाद है, एक कर्मचारी जिसने उसे जतन से बनाया, एक ग्राहक जिसने उस पर भरोसा करना चुना।

क्या यह चीज़ अब भी उसी वजह से मौजूद है जिसके लिए जन्मी थी, या मैं अनजाने में बस उसकी छाया की सेवा कर रहा हूँ?

फर्दिनांदो फ्रेगा

ब्लेडफ्रेगा

वॉल स्ट्रीट गाथा